IUJ in Press

एक संदेश

04 जुलाई 2024, गुरुवार, रांची

इक्फाई विश्वविद्यालय में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का स्थापना दिवस मनाया गया

संवाददाता

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सरला बिरला विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. (डॉ.) विजय कुमार सिंह ने अपना बहुमूल्य संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि न्यास शिक्षा बचाओ आंदोलन समिति की पहल के साथ मिलकर काम करता है। इस न्यास का घोषित लक्ष्य मौजूदा शिक्षा प्रणाली के लिए एक वैकल्पिक प्रणाली की स्थापना करना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए यह संस्था शिक्षा के पाठ्यक्रम, प्रणाली, पद्धति और नीति में बदलाव और शिक्षा का 'भारतीयकरण' करना आवश्यक मानती है। इसके लिए शिक्षाविदों को आगे आकर अपना योगदान देना चाहिए।

इस समारोह के मुख्य अतिथि कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद के पूर्व कुलपति प्रो. (डॉ.) अंजनी श्रीवास्तव थे। उन्होंने चरित्र निर्माण, वैदिक गणित के महत्व और स्वायत्त शिक्षा प्रणाली और न्यास के अन्य

16 क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया। राष्ट्र निर्माण के इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और मानव का विकास है।

इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड के कुलपति और न्यास के क्षेत्र के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) रमन कुमार झा ने रोजगार क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली और जीवन कौशल से संबंधित पाठ्यक्रमों को शामिल करने पर जोर दिया। इस अवसर पर रांची विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान के सेवानिवृत्त प्रोफेसर प्रो. (डॉ.) हरिओम पांडे, डॉ. सुनील कुमार झा, डॉ. धर्मराज कुमार और शहर भर के अन्य वरिष्ठ और शिक्षाविद मौजूद थे।

मंगल महाआरती का आयोजन

लोहरदगा: वीर शिवाजी चौक सिद्धिदात्री दुर्गा मंदिर में मंगल महा आरती बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया। जिसमें सनातन धर्म के सभी भक्तगण मंदिर परिसर में मंगल महा आरती में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता छवि सिंह के द्वारा किया गया । छवि सिंह ने कहा कि मंदिर में हर मंगलवार को होने वाली महा आरती का अनुभव वाक्य अद्भुत होता है।

आज
www.ajhindidaily.com
रांची, ४ जुलाई, २०२४

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का स्थापना दिवस मनाया गया

रांची। इक्फ़ाई विश्वविद्यालय झारखंड में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सरला बिरला विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. (डॉ.) विजय कुमार सिंह ने अपना बहुमूल्य संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि न्यास शिक्षा बचाओ आंदोलन समिति की पहल के साथ मिलकर काम करता है। इस न्यास का घोषित लक्ष्य मौजूदा शिक्षा प्रणाली के लिए एक वैकल्पिक प्रणाली की स्थापना करना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए यह संस्था शिक्षा के पाठ्यक्रम, प्रणाली, पद्धति और नीति में बदलाव और शिक्षा का

छाया : राजकुमार

भारतीयकरण करना आवश्यक मानती है। इसके लिए शिक्षाविदों को आगे आकर अपना योगदान देना चाहिए। इस समारोह के मुख्य अतिथि कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद के पूर्व कुलपति प्रो. (डॉ.) अंजनी श्रीवास्तव थे। उन्होंने चरित्र निर्माण, वैदिक गणित के महत्व और स्वायत्त शिक्षा प्रणाली और न्यास के अन्य 16 क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया। राष्ट्र निर्माण के इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और मानव का विकास है। इक्फ़ाई विश्वविद्यालय झारखंड के कुल. पति और न्यास के क्षेत्र के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) रमन कुमार झा ने रोजगार क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली और जीवन कौशल से संबंधित पाठ्यक्रमों को शामिल करने पर जोर दिया। इस अवसर पर रांची विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान के सेवानिवृत्त प्रोफेसर प्रो. (डॉ.) हरिओम पांडे, डॉ. सुनील कुमार झा, डॉ. धर्मराज कुमार और शहर भर के अन्य वरिष्ठ और शिक्षाविद मौजूद थे।

इक्फाइ विश्वविद्यालय में स्थापना दिवस मना

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। इक्फाइ विश्वविद्यालय में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सरला बिरला विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो विजय कुमार सिंह ने कहा कि न्यास शिक्षा बचाओ आंदोलन समिति की पहल के साथ मिलकर काम करता है। इस न्यास का घोषित लक्ष्य मौजूदा शिक्षा प्रणाली के लिए एक वैकल्पिक प्रणाली की स्थापना करना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए यह संस्था शिक्षा के

पाठ्यक्रम, प्रणाली, पद्धति और नीति में बदलाव को आवश्यक मानती है। इसके लिए शिक्षाविदों को आगे आकर अपना योगदान देना चाहिए।

इस समारोह के मुख्य अतिथि कोयलांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो अंजनी श्रीवास्तव थे। उन्होंने चरित्र निर्माण, वैदिक गणित के महत्व, शिक्षा प्रणाली और न्यास के अन्य 16 क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया। राष्ट्र निर्माण के इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और मानव का विकास है। इक्फाइ विश्वविद्यालय झारखंड के कुलपति और न्यास के क्षेत्र के अध्यक्ष प्रो रमन कुमार झा ने रोजगार क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली और जीवन कौशल से संबंधित पाठ्यक्रमों को शामिल करने पर जोर दिया। इस अवसर पर रांची विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान के सेवानिवृत्त प्रोफेसर प्रो हरिओम पांडेय, डॉ सुनील कुमार झा, डॉ धर्मराज कुमार और शहर भर के अन्य वरिष्ठ और शिक्षाविद मौजूद थे।

रांची एक्सप्रेस
https://epaper.ranchiexpress.com

इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का स्थापना दिवस मनाया गया

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सरला बिरला विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो.(डॉ.) विजय कुमार सिंह ने अपना बहुमूल्य संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि न्यास शिक्षा बचाओ आंदोलन समिति की पहल के साथ मिलकर काम करता है। इस न्यास का घोषित लक्ष्य मौजूदा शिक्षा प्रणाली के लिए एक वैकल्पिक प्रणाली की स्थापना करना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए यह संस्था शिक्षा के पाठ्यक्रम, प्रणाली, पद्धति और नीति में बदलाव और शिक्षा का 'भारतीयकरण' करना आवश्यक मानती है। इसके लिए शिक्षाविदों को आगे आकर अपना योगदान देना चाहिए।

समारोह के मुख्य अतिथि कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद के पूर्व कुलपति प्रो. (डॉ.) अंजनी श्रीवास्तव थे। उन्होंने चरित्र निर्माण, वैदिक गणित के महत्व और स्वायत्त शिक्षा प्रणाली और न्यास के अन्य 16 क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया। राष्ट्र निर्माण के इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और मानव का विकास है।

इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड के कुलपति और न्यास के क्षेत्र के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) रमन कुमार झा ने रोजगार क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली और जीवन कौशल से संबंधित पाठ्यक्रमों को शामिल करने पर जोर दिया। इस अवसर पर रांची विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान के सेवानिवृत्त प्रोफेसर प्रो. (डॉ.) हरिओम पांडे, डॉ. सुनील कुमार झा, डॉ.धर्मराज कुमार सहित अन्य शिक्षाविद मौजूद थे।

JHARKHAN
DoSE&I
Old HEC High School
Phone No.- 0651-2444501
Very S
JEPC invites Separate
from eligible and interested bid
computer. Interested and eligible
11.07.2024 at 03.00 PM.All do
online. Cost of Bid and EMD mus
The details ofthe
https://jharkhandtenders.gov.i
Bid Ref. No. -MIS/06/2022/176/2
PR 328458 Jharkhand Education Pro
झारखण्ड
E-mail ID: jepcranchi1

पूर्वांचल सूर्य
रांची ➢ गुरूवार ➢ 4 जुलाई 2024

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का स्थापना दिवस मनाया गया

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सरला बिरला विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. (डॉ.) विजय कुमार सिंह ने अपना बहुमूल्य संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि न्यास शिक्षा बचाओ आंदोलन समिति की पहल के साथ मिलकर काम करता है। इस न्यास का घोषित लक्ष्य मौजूदा शिक्षा प्रणाली के लिए एक वैकल्पिक प्रणाली की स्थापना करना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए यह संस्था शिक्षा के पाठ्यक्रम, प्रणाली, पद्धति और नीति में बदलाव और

शिक्षा का %भारतीयकरण% करना आवश्यक मानती है। इसके लिए शिक्षाविदों को आगे आकर अपना योगदान देना चाहिए।

समारोह के मुख्य अतिथि कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद के पूर्व कुलपति प्रो. (डॉ.) अंजनी श्रीवास्तव थे। उन्होंने चरित्र निर्माण, वैदिक गणित के महत्व और स्वायत्त शिक्षा प्रणाली और न्यास के अन्य 16 क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया। राष्ट्र निर्माण के इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और मानव का विकास है।

इक्फ़ाई विश्वविद्यालय झारखंड के कुलपति और न्यास के क्षेत्र के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) रमन कुमार झा ने रोजगार क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली और जीवन कौशल से संबंधित पाठ्यक्रमों को शामिल करने पर जोर दिया। इस अवसर पर रांची विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान के सेवानिवृत्त प्रोफेसर प्रो. (डॉ.) हरिओम पांडे, डॉ. सुनील कुमार झा, डॉ.धर्मराज कुमार सहित अन्य शिक्षाविद मौजूद थे।

प्रातः आवाज
राजधानी

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का मनाया गया स्थापना दिवस

प्रातः आवाज

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सरला बिरला विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. (डॉ.) विजय कुमार सिंह ने अपना बहुमूल्य संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि न्यास शिक्षा बचाओ आंदोलन समिति की पहल के साथ मिलकर काम करता है। इस न्यास का घोषित लक्ष्य मौजूदा शिक्षा प्रणाली के लिए एक वैकल्पिक प्रणाली की स्थापना करना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए यह संस्था शिक्षा के पाठ्यक्रम, प्रणाली, पद्धति और नीति में बदलाव और शिक्षा का 'भारतीयकरण' करना आवश्यक मानती है। इसके लिए शिक्षाविदों को आगे आकर अपना

योगदान देना चाहिए। इस समारोह के मुख्य अतिथि कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद के पूर्व कुलपति प्रो. (डॉ.) अंजनी श्रीवास्तव थे।

उन्होंने चरित्र निर्माण, वैदिक गणित के महत्व और स्वायत्त शिक्षा प्रणाली और न्यास के अन्य 16 क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया। राष्ट्र निर्माण के इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और मानव का विकास है। इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड के कुलपति और न्यास के क्षेत्र के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) रमन कुमार झा ने रोजगार क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली और जीवन कौशल से संबंधित पाठ्यक्रमों को शामिल करने पर जोर दिया। इस अवसर पर रांची विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान के सेवानिवृत्त प्रोफेसर प्रो. (डॉ.) हरिओम पांडे, डॉ. सुनील कुमार झा, डॉ. धर्मराज कुमार और शहर भर के अन्य वरिष्ठ और शिक्षाविद मौजूद थे।

राष्ट्रीय सागर

इक्फाई विवि में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का मनाया गया स्थापना दिवस

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सरला बिरला विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. (डॉ.) विजय कुमार सिंह ने अपना बहुमूल्य संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि न्यास शिक्षा बचाओ आंदोलन समिति की पहल के साथ मिलकर काम करता है। इस न्यास का घोषित लक्ष्य मौजूदा शिक्षा प्रणाली के लिए एक वैकल्पिक प्रणाली की स्थापना करना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए यह संस्था शिक्षा के पाठ्यक्रम, प्रणाली, पद्धति और नीति में बदलाव और शिक्षा का 'भारतीयकरण' करना आवश्यक मानती है। इसके लिए शिक्षाविदों को आगे आकर अपना योगदान देना चाहिए। इस समारोह के मुख्य अतिथि कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद के पूर्व कुलपति प्रो. (डॉ.) अंजनी श्रीवास्तव थे। उन्होंने चरित्र निर्माण, वैदिक गणित के महत्व और स्वायत्त शिक्षा प्रणाली और न्यास के अन्य 16 क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया। राष्ट्र निर्माण के इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और मानव का विकास है। इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड के कुलपति और न्यास के क्षेत्र के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) रमन कुमार झा ने रोजगार क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली और जीवन कौशल से संबंधित पाठ्यक्रमों को शामिल करने पर जोर दिया। इस अवसर पर रांची विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान के सेवानिवृत्त प्रोफेसर प्रो. (डॉ.) हरिओम पांडे, डॉ. सुनील कुमार झा, डॉ. धर्मराज कुमार और शहर भर के अन्य वरिष्ठ और शिक्षाविद मौजूद थे।